

The

राइजिंग स्टेप

MPHIN/2017/74468



Struggle to Success 2





प्रदेश का लघु उद्योग इंडस्ट्री क्षेत्र स्टार्टअप को संवारने वालों में ख्यात और सम्मानित शख्सियत दीपक भंडारी

बरसों से भारत को एक ग्लोबल मैन्युफ्रेक्चरिंग हब बनाये जाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे, पर इन प्रयासों के लिए श्रीगणेश करने का कार्य माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा "मेक इन इंडिया" से किया गया। इसके पश्चात तो देश में नित नए स्टार्टअप में से अनेक ऐसे बिजनेस थे जिन्होंने उस क्षेत्रमें क्रान्तिकारी परिवर्तन ला दिए या यूं कहे की आम



पिता का सहयोगी बन... किया कारोबारी जगत में प्रवेश

जनता की छोटी-मोटी समस्याओं का सरल तरीके से समाधान कर दिया। आज हम ऐसे ही एक स्टार्टअप को शुरू करने वाले दीपक जी भंडारी की बात कर रहे हैं। SADEE WORLD PVT. LTD. एक ऐसा स्टार्टअप है, जिसके उत्पाद ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में सहायक है। साथ ही साथ हीट प्रूफिंग में बिजली और पानी की बचत, पृथ्वी के इकोसिस्टम में ओजोन परत को नुकसान से बचाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं,,, जो जानते हैं आखिर क्या है ये उत्पाद और इसे बनाने वाले और शुरू करने के पीछे की कहानी...

मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मैंने भारत भूमि में जन्म लिया। व्यक्तिगत रूप से मेरे मनपसंद कार्यों में समाज सेवा, राष्ट्र सेवा, लोक सेवा तथा पृथ्वी / पर्यावरण कल्याण से संबंधित कार्य आते हैं। जिन्हें मैं विभिन्न प्रकार की संस्थाओं और संगठनों के माध्यम से पूरा करता हूँ।

12 वी कक्षा के उपरान्त ही शुरू से पिता के व्यवसाय में हाथ बंटाया। Electroplating, बफिंग पोलिशिंग तथा केमिकल और अन्य संबंधित मटेरियल की Supply से कारोबार की शुरूआत की। फिर Pidilite Industries के Adhesives की विक्री इन्दौर, देवास, पिथमपुर की फैक्ट्रीयों में की, साथ ही साथ Paint Industries का रॉ मटेरियल भी पूरे म.प्र. में Supply शुरू किया। 1996 में मेन्युफेक्चरिंग के क्षेत्र में WPC-99 के नाम से वॉटरप्रूफिंग केमिकल का निर्माण, निर्यात और देशव्यापी Distribution शुरू किया। उसकी सफलता के बाद पिता के साथ मिलकर कन्सट्रक्शन केमिकल, पेंट एवं लिक्वीड क्लिनर के साथ ही विभिन्न प्रकार के रासायनिक उत्पादों का निर्माण किया। जापान, चीन, हांगकांग, दुबई, साउथ अफ्रिका, नेपाल इत्यादि कई देशों में व्यापारिक यात्राएं की तथा भारत के ग्रामीण क्षेत्रों





में Supply की चेन बनाई और सुचारू रूप से चलाई। विगत 34 वर्षों से पारिवारिक व्यवसाय में सलग्न रहा। मेन्युफेक्चरिंग के साथ ही वॉटरप्रूफिंग, हिटप्रूफिंग, पेंटिंग, Epoxy Flooring में कई सरकारी एवं प्रायवेट तथा MNC कंपनियों के लिए Project Application Work भी किया गया सन 2023 में पुत्र यश भण्डारी के साथ मिलकर Sadee World नाम chemtech Start up शुरू किया। मात्र ₹.25000 के निवेश से फ्रेंचाइजी के माध्यम से नवयुवकों को रोजगार हेतु अवसर प्रदान किया गया है, बगैर रायल्टी एवं फीस के इस उपक्रम में मेरी पत्नी सपनाजी भण्डारी का भी सतत सहयोग प्राप्त हो रहा है।

व्यापारिक शुरुआत कैसे हुई

पिता के कारोबार में जुड़ा Electroplating और Industrial Adhesive ट्रेडिंग से शुरुआत। 1994 में नए मकान गुमास्ता नगर, इन्दौर में वाटर लिकेज की समस्या हुई, जिसे पिता के द्वारा बनाये गये एक रसायन से हमने समाधान किया और इस प्रकार एक नये व्यवसाय में मेरा पर्दाप्रण हुआ। जो आगे चलकर मेरा पुरा व्यवसायीक क्षेत्र बन गया।

अब तक किन- किन क्षेत्रों में कार्य कर चुके हैं

अपने व्यवसाय से संबंधित सभी प्रकार के कार्यों को मैं करता हूँ, जैसे PWD और CPWD इत्यादि सरकारी, अर्द्ध सरकारी एवं प्रायवेट सेक्टर के कार्य, जिनमें CIVIL PROJECT JOB & APPLICATION WORK इत्यादि शामिल है। Construction Chemical, Paints, Epoxy Flooring Work, Industrial Adhesive and Cleaning Compound के मेन्युफेक्चरिंग के साथ ही उनकी Trading, Distribution, Import Export सभी प्रकार के कार्य शुरू किये। 2009 में MSME फोरम बनाया, फिर 2018 में GFID, AITO बनाया। 2006 से International Rotary Foundation के लिए



कार्य। 2006 में एम.एस. एम.ई एक्ट बना। उसके बाद मैंने 2009 में एम.एस.एम.ई फोरम बनाया और उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में लोगों की मदद करना शुरू किया। रोटरी क्लब के माध्यम से सभी उम्र व तबको के असहाय लोगों की मदद शुरू की। जैन सोशल ग्रुप के माध्यम से जैन परिवार को जोड़ा।

अपने स्टार्टअप को विस्तार से बताए

Chemtech Start Up कंस्ट्रक्शन केमिकल, पेंट एवं होमकेयर प्रोडक्ट्स के अलावा सभी प्रकार के एडोसिहडव की रेंज हम इन्दौर में ही अपने कारखाने में बना रहे हैं। साथ ही डीलरशीप एवं फ्रेंचाइजी के माध्यम से रोजगार निर्माण का कार्य कर रहे हैं। सिविल प्रोजेक्ट जाव वर्क के द्वारा वॉटरफिंग, हिटप्रूफिंग, पेटींग एवं Epoxy / PU फ्लोरिंग एवं कोटिंग वर्क कर रहे हैं जो प्रयावरण हितेषी है एवं ग्रीन बिल्डिंग संरचना को ध्यान में रखकर किया जाता है। हमारा उद्देश्य है कि देश एवं विदेशों में मकानों एवं इमारतों का संरक्षण एवं सभी प्रकार की ऊर्जा व पानी की बचत करना है।

गुना हो जायेगा।

स्टार्टअप शुरू करने वालों को सुझाव

दूरदृष्टि लेकर चले कठिनाईयां अपने आप दूर होगी। जो आपकी हॉबी हो उसी को व्यवसाय में बदले। विश्व में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत में

नया स्टार्टअप शुरू करने का उद्देश्य

परिस्थितियाँ प्रतिकूल थीं और केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा स्टार्टअप को खूब सहायता प्रदान की जा रही थी। अतः शुरू करना लाभकारी लगा तथा इसके अलावा खुद को आजमाना, चुनौती स्वीकारना, काबलियत को साबित करना चाहता था।

आने वाले समय में बिजनेस का रोल कितना बढ़ेगा

जिस हिसाब से देश की जनसंख्या एवं कज्यूमर बेस बढ़ रहा है व्यवसाय बहुत तेजी से बढ़ेगा एवं आने वाले 10 वर्षों में अभी से 100

अच्छी ग्रोथ है अभी।

स्टार्टअप शुरू करने में होने वाली कठिनाई

सबसे बड़ी कठिनाई धन की होती है इसे या तो परिवार या यार दोस्तों के सहयोग से पूरा करें या फिर सरकारी फंडिंग हेतु अप्लाय करें जिसे आने में देर हो सकती है इसके अलावा जो भी सरकारी कंप्लायंस है उसे समय पर पूरा करें।

जीवन में जब आलोचना का सामना करना पड़ा हो।

सदैव, आलोचना ही आपको मजबूत बनाती है एवं नये रास्ते दिखाती है। इसके बावजूद सुनो सबकी करो अपने मन की।



कैरियर का सबसे चुनौती पूर्ण समय

सन 2016-17 में भारत सरकार ने लगातार एक के बाद एक आर्थिक नीतियों में परिवर्तन किये, साथ ही साथ नोटबंदी, जी.एस.टी. जैसे बड़े परिवर्तन बहुत ही कम समय अंतराल में लागू कर दिये। हमारा व्यापार उस समय 80 प्रतिशत गाँव में था जहाँ बैंक खाते भी नहीं होते थे और बिल्डींग मटेरियल व्यवसायी वेट टेक्स न. भी नहीं लेते थे, जिस वजह से हिसाब पूरा गड़बड़ा गया और करोड़ों रूपयों का नुकसान हुआ उसके बावजूद मैंने अपने पिता के साथ मिलकर कारखाने को चालू रखा किंतु नियती को कुछ और ही मंजूर था अचानक एक दिन रात को कारखाने में भंयकर आग लग गई केमिकल होने की वजह से आग सभी जगह फैल गयी हमारे गोडाउन, वेयर हाऊस, मशीनीरी तथा लेबोरेटरी सब कुछ जलकर खाक हो गया यह घटना अत्यंत ही हृदय विदारक थी एवं हमारे पूरे परिवार के लिये भंयकर संकट का समय था। बच्चे भी छोटे थे घर में कमाने वाला कोई नहीं था फिर माता पिता एवं पत्नि के मनोबल बढ़ाने से हमने पुनः नये आत्मविश्वास के साथ फेक्ट्री को रिनोवेट किया मशीनों को चालू किया एवं परिवार रिश्तेदार, डिस्ट्रीब्यूटर, सुपर स्टॉकिस्ट तथा दोस्तों के सहयोग से पुनः राँ मटेरियल जमा कर उत्पादन शुरू किया। किंतु भविष्य में आने वाली विपत्तियों से हम सभी अंजान थे, जो कि कोरोना नामक वैश्विक महामारी के रूप में हमारे समक्ष खड़ी





हो गयी। इतनी विपरीत परिस्थितियाँ एक साथ आने के बावजूद ईश्वर कृपा एवं परिवार के सहयोग से हमने पुनः कारोबार व्यवस्थित किया जो कि पूरी तरह से चौपट हो गया था। साथ ही पुत्र के कहने पर मैंने उसके साथ मिलकर नई स्टार्टअप कम्पनी बनाने हेतु वाध्य हो गया।

सफलता का मंत्र

कोई भी व्यवसाय या सामाजिक कार्य इंसानों द्वारा किया जाता है अतः मानवीय गुणों का विकास जैसे प्रेम, जोश, हिम्मत, आत्मविश्वास, लक्ष्य साधना, दूसरों को फायदा पहुँचाना यह अत्य आवश्यक है इसके साथ ही एक सशक्त, बुद्धिमान, अनुभवी एवं स्वस्थ टीम का निर्माण, जो कि विश्व स्तरीय व्यापार को करने में सहायक होता है।

कोई पछतावा

बिल्कुल नहीं, ईश्वर का दिया कभी अल्प नहीं होता है और जो बीच में तुट जाये वो संकल्प नहीं होता है। जो कुछ भी किया, ईश्वर की मर्जी से किया तथा व्यक्ति, समाज देश एवं विश्व कल्याण की भावना से किया।

जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा

राष्ट्रभक्ति एवं महापुरुषों की गाथाओं में सदैव प्रेरणा मिलती है। 1996 में मेन्युफेक्चरिंग शुरू किया था, तब पता चला कि उत्पादन में सरकारी लालफीताशाही सबसे बड़ा रोड़ा है। महिनो चक्कर लगाने और चप्पले घिसने के बाद भी यदि रिश्वत न दे तो काम नहीं होता था, और यदि होता भी था तब तक छोटा उद्यमी घबराकर व्यवसाय बंद कर देता था। ऐसी परिस्थितियों में मैंने लघु उद्यमीयों एवं व्यापारीयों की मदद करने का बीड़ा उठाया तथा मैं उन्हें मुफ्त सलाह देने लगा, सरकारी अधिकारियों एवं मंत्रीयों से मिलवाने लगा तथा विशेषज्ञों द्वारा बहुत ही कम फीस पर उनके रुके हुए काम करवाने लगा।

WORKSHOP

Future of E-Commerce
in India

KEY SPEAKERS

Mr. Prafull Rajput,
Alliances & Partnerships Manager,
from ONDC, will lead the program
regarding ONDC, its use, Regulatory

Mr. Anurag Sethi,
DCM, SID
(will lead the program)



उद्योगपति दीपक भंडारी को स्कॉच एचीवर अवार्ड - 2015

इन्दौर के युवा उद्योगपति श्री दीपक भंडारी को विगत 21 मार्च को नई दिल्ली जंनपथ में आयोजित 39 वी स्कॉच समिट में वित्त, तकनीक, अर्थशास्त्र एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिये 'स्कॉच इंडिया अवार्ड - 2015' से सम्मानित किया गया।

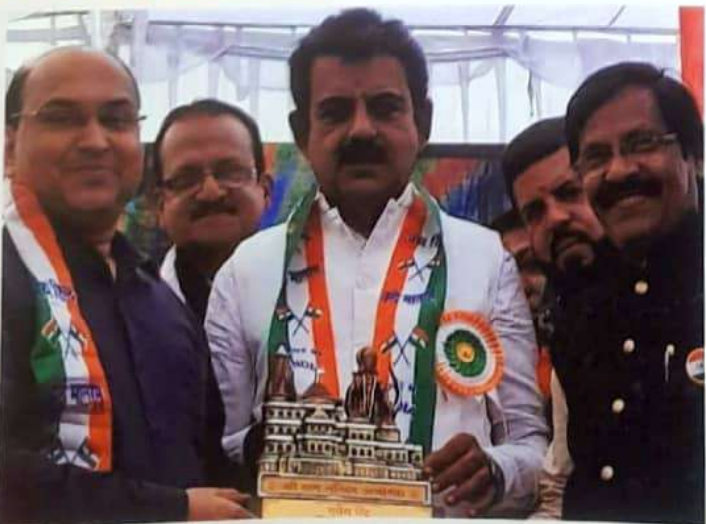
इस भव्य आयोजन में केन्द्रीय अल्पसंख्यक मंत्री श्रीमती नजमा हेपतुल्ला, केन्द्रीय राज्य वित्त मंत्री श्री जयंत सिन्हा, पूर्व केन्द्रीय वित्त मंत्री श्री यशवंत सिन्हा और नवगठित 'नीति आयोग' के उपाध्यक्ष डॉ अरविंद पानगड़िया भी उपस्थित थे। साथ ही उद्योग जगत एवं मीडिया जगत की भी नामी हस्तियों द्वारा इस कार्यक्रम में शिरकत की गई। पूरे भारत में तकरीबन 5 लाख प्रविष्टियों के बीच में श्री भंडारी का चुनाव किया गया।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी श्री भंडारी को एक नेशनल अवार्ड जो कि केन्द्रीय उद्योग मंत्री

श्री कलराज मिश्रा तथा लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन के द्वारा प्रदान किया गया था तथा स्माल स्केल इंटरप्रेनर का अवार्ड मुख्यमंत्री श्री शिवराजजी चौहान के द्वारा दिया गया था।



केंद्र से राज्य तक के वरिष्ठ राजनेताओं के बीच भंडारी जी की उपस्थिति



परिवार के बारे में

पुत्री यशस्वी भण्डारी, अमेरीका के मिननसोटा शहर में कार्यरत पुत्र यश भण्डारी, महाराष्ट्र के पूना शहर में कार्यरत (दोनों साफ्टवेयर इंजिनियर) मम्मी श्रीमती ज्योति भण्डारी हाउस वाईफ, श्री प्रकाशचन्द्र भण्डारी व्यवसायी पापा, श्रीमती पुखराजबाई भण्डारी दादी।

सबसे कठिन निर्णय

Science 12th के बाद अचानक कार्मस, लॉ एवं म्यूजिक में ग्रेजुएशन करना। क्योंकि पिता Science Graduation चाहते थे।

सबसे उबाऊ काम जो करना पड़ा हो।

बगैर मन या अपनी खुशी से किया जाने वाला हर काम उबाऊ लगता है।

सबसे बड़ा बदलाव क्या चाहोगे?

उत्पादों एवं सेवाओं का दायरा देश एवं विदेश में बढ़ाना तथा नई तकनीकों को व्यवसाय में सम्मिलित करना।

पसन्दीदा किताब, रंग, जगह, खाना एवं ज्योतिष में विश्वास?

किताबें तो बहुत सारी हैं जैसे डेल कारनेगी की चिन्ता छोड़ो सुख से जियो एवं लोक व्यवहार, दादाजी द्वारा दी गयी राष्ट्रपिता महात्मा

गांधीजी की जीवनी। ज्योतिष में विश्वास बहुत थोड़ा है।

रंग - सफेद, जगह- मुम्बई, हांगकांग, टोकियो, जोहानसबर्ग, दुबई साउथ इण्डिया, खाना -दाल बाटी, लड्डू एवं उत्तम

सबसे बड़ी गलती

रामजाने, ऐसा तो कुछ मुझे लगता नहीं है। मैं गलतियों को Positively लेता हूँ। क्योंकि गलतियाँ ही हमें सिखाती हैं, अतः मैं उन्हें गलत नहीं मानता। वही शिक्षक है।

शून्य से शुरुआत करनी हो तो...

एक साल- क्योंकि अनुभव है, कान्टेक्ट है। यही मुकाम हासिल कर सकते हैं।

आने वाले 5 सालों में अपने आप को कहा देखते हैं?

अपने क्षेत्र में बड़ी कंपनी देश एवं विदेशों में।

